पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

वाडापुनाली

गाँव-वाडापुनाली

पंचायत-पुनाली

तहसील-दोवडा, जिला-डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

वाडापुनाली गाँव का परिचय

वाडापुनाली गाँव पुनाली ग्राम पंचायत का एक राजस्व गाँव है, जो जिला मुख्यालय डूंगरपुर से 20किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में बसा हुआ है। पुनाली पंचायत में 5 गाँव हैं- पुनाली, पांतली, नयागाँव पुनाली, वाडापुनाली और गेहुवाडा। वाडापुनाली गाँव के सबसे निकटवर्ती गाँव हैं- धानीहथाई, कालुगामडा, बीकासोर, गेहुवाडा, नयागाँव पुनाली, पुनाली, कोलखंडा पाल, रामा, जोगीवाड़ा।

वाडापुनाली गाँव में शिलालेख 9 जून, 2018 को हुआ और शिलालेख के दिन ही गाँव सभा का गठन भी कर दिया गया । वाडापुनाली गाँव में 225 घर हैं, जिनकी आबादी लगभग 1000 है । गाँव में एस. टी. जाति के अलावा ओ.बी.सी. और सामान्य जाति के लोग भी निवास करते हैं । एस.टी. जाति में बुज, परमार, खराड़ी, दायमा, अहारी, वेसात, ननोमा उपजाति के लोग हैं । इनके साथ ही कुम्हार, दर्जी, पटेल, लोहार, खटीक, राजपूत, ब्राह्मण समाज के लोग भी रहते हैं । गाँव में अधिकतर लोगों को पेसा कानून की जानकारी है । हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है । गाँव में वागड़ मजदूर किसान संगठन के कार्यकताओं के द्वारा पेसा कानून की जानकारी और जागरूकता का प्रसार करने के लिए बैठकें और कार्यशालायें आयोजित की जाती हैं । गाँव की पूरी जमीन का रकबा 113 हेक्टेयर है, जिसमें 31 हेक्टेयर कृषि योग्य जमीन और जंगल की जमीन शामिल है । छोटी छोटी डूंगरीया हैं, जिन पर लोग घर बना कर रहते हैं । गाँव की अधिकतर जमीन समतल है ।

यातायात

वाडापुनाली जाने के लिए डूंगरपुर के बस स्टैंड से आसपुर जाने वाली बस से पुनाली गाँव के चौराहे पर उतर कर ऑटो से वाडापुनाली गाँव जाया जा सकता है । डूंगरपुर से वाडापुनाली के लिए सरकारी और प्राइवेट बस दोनों ही मिल जाती है । पुनाली से वाडापुनालीगाँव 3 किमी दूर है । गाँव में 1 पक्की सड़क, 2 सी.सी. सड़क और 5 कच्ची सड़के हैं । सी.सी. सड़क और कच्ची सड़क गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए है। गाँव की एकमात्र पक्की सड़क नरनिया गाँव से आती है, जो पांतली गाँव में जाती है । गाँव में 2 सी.सी. सड़क है । दोनों सी.सी. सड़कें गाँव के भीतर से शुरू होकर गाँव में ही खत्म हो जाती हैं । गाँव में एक बस स्टैंड है, जहाँ से ऑटो, जीप दूसरे गाँव या आसपुर वाली मेन रोड पर जाने के लिए मिल जाते हैं, लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे ऑटो, मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए बड़ा बाजार पुनाली में है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 20 किमी दूर जाना पड़ता है, जहाँ पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

पेयजल की सुविधा

गाँव में व्यक्तिगत 12 कुएं, 20 हैंडपंप और निजी बोरवेल हैं । पशुओं के पीने के पानी के लिए 2 तालाब हैं । गाँव के 7 कुएं जल-स्तर नीचे चले जाने के कारण सूखे ही रहते हैं और 8 हैंडपंप पाइप में जंग और आयरन की वजह से छेद पड़ने पर ख़राब हो गये हैं । चालू पेयजल स्रोतों के पानी में फ्लोराइड की मात्रा

ज्यादा है, जिस कारण बीमारियाँ हो जाती हैं; लेकिन जानकारी के अभाव और गाँव में आर.ओ. प्लांट नहीं होने के कारण गाँव के लोग इसी को उपयोग में लेते हैं ।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि योग्य जमीन पर गेहूँ, मक्का, उड़द, ज्वार, तुअर, मूंग और चना की खेती की जाती है। जिन लोगो के पास निजी बोरवेल और गहरे कुएं हैं, वे ही धान, गेहूँ और सरसों की खेती कर पाते हैं । गाँव में नदी, चेकडैम और नहर की सुविधा नहीं है । सिंचाई के पानी की कमी के चलते खाद्य ऊपज चार या पाँच माह खाने भर की ही हो पाती है। अधिकतर कृषि जमीन समतल है, लेकिन वह पटेलों और राजपूतो के कब्जे में है । आदिवासीयों के कब्जे की जमीन ऊबड़-खाबड़ और पहाड़ियों की ढलान वाली है । समतल नहीं होने से खेती करने में समस्या आती है । रोजगार के नाम पर मनरेगा में मजदूरी और दिहाड़ी मजदूरी करते हैं । मनरेगा में साल में 30-40 दिन के लिए ही काम मिल पाता है । मनरेगा में काम की नपती पूरी नहीं होती है, जिस कारण काम की मजदूरी भी कम ही मिलती है । इसके अलावा युवा लोग डूंगरपुर शहर में जाते हैं । गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर भी जाते हैं, जहाँ वे कपास के खेतों या आइसक्रीम फैक्ट्री में या कपड़े की मिलों में काम करते हैं । अधिकतर लोग गुजरात की नमकीन बनाने की फैक्ट्री में काम करते हैं ।

सिंचाई एवं पशुपालन

गाँव में सिंचाई के लिए बड़े स्रोत नहीं हैं । गाँव में कोई नदी या नाले, एनिकट नहीं है । मात्र 2 तालाब (झालन तालाब और बड़ा तालाब) और 12 चालू कुएं और निजी बोरवेल हैं । ग्रीष्म ऋतु के दौरान कुओं में पशुओ को पिलाने मात्र का ही पानी शेष रहता है । गर्मियों में सभी जल स्रोतों में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमें पानी की कमी हो जाती है, क्योंकि इनकी देखभाल और साफ़-सफाई समय पर नहीं की जाती है । गाँव के झालन तालाब में भी साल भर पानी रहता है, लेकिन इतना कम हो जाता है कि सिर्फ पशुओ के पीने के पानी की आपूर्ति हो पाती है । दूसरा तालाब छोटा है । उसमे साल के फरवरी माह तक पानी लगभग सूख जाता है । झालन तालाब में मार्च-अप्रैल तक इसके पानी से लोग मोटर लगाकर खेतों में सिंचाई करते हैं और पशुओं को पानी पिलाते हैं । लेकिन इसकी भी रिंगवाल मरम्मत और गहरीकरण पर ध्यान नहीं दिया जाता है । तालाब की पाल कच्ची होने से पानी रिस कर बहता रहता है । यदि यही स्थिति रही तो सम्भव है कि आने वाले कुछ सालों में यह बिल्कुल सूखा ही रहे । चालू कुओं से पशुओं के पीने के पानी का बंदोबस्त किया जाता है । वर्तमान में पानी का स्तर 250 फीट से नीचे चला गया है, जो कि भविष्य में पानी को सहेजने के प्रति जागरूक न होने पर और भी गहरे में जाएगा ।

गाँव के लोग बकरी, गाय और भैंस जैसे दुधारू पशु पालते हैं । इसके अलावा माँस के लिए मुर्गीपालन और बकरे भी पालते हैं । गाँव के जंगल में जो घास उगती है, वो पशुपालन के लिए पर्याप्त नहीं है ।

खेती में भी पर्याप्त चारा नहीं होता है । जिस कारण चारा गुजरात राज्य या उदयपुर जिले के गाँवो से खरीद कर लाना पड़ता है । चारे की एक पुली (गट्टर) 5 से 7 रुपये में पड़ती है ।

शिक्षा व स्वास्थ्य

गाँव में 1 उच्च प्राथमिक विद्यालय है, जिसमें इस शैक्षेणिक वर्ष 2018-19 में 110 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है । विद्यालय में 6 अध्यापक नियुक्त हैं । स्कूल में कक्षा कक्ष कम हैं, जिससे दो कक्षाए एक साथ बैठती हैं । ना ही खेल का मैदान है और ना ही शौचालय की हालत अच्छी है । शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं है और साफ सफाई भी नहीं होती है । इस कारण बच्चे बाहर खुले में शौच के लिए जाते हैं । पढ़ाई का स्तर ठीक न होने के कारण गाँव के बच्चों का सीखने और ज्ञान का स्तर भी काफी निम्न है । नियुक्त अध्यापक समय पर नहीं आते हैं । छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय नहीं हैं । छात्र-छात्राओं के लिए पीने के स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है । बच्चों को हैंडपंप का फ्लोराइड वाला पानी पीना पड़ता है । स्नातक स्तरीय पढाई के लिए 20 किमी दूर डूंगरपुर शहर जाना पड़ता है । अधिकतर बच्चे कॉलेज के पास ही किराये पर कमरे लेकर रहते हैं। गाँव में 1 आंगनवाड़ी है, जिसकी हालत अच्छी नहीं है । बारिश में उसकी छत से पानी टपकता है और प्लास्टर गिर रहा है । साथ ही वहाँ मिलने वाले पोषाहार की ख़राब गुणवत्ता को लेकर क्षेत्रवासियों में शिकायत है । गाँव में उप-स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है । नजदीकी उप-स्वास्थ्य केन्द्र पांतली में है । वहाँ ए.एन.एम. बैठती है, जो दवाइयाँ दे देती है, लेकिन वहाँ न तो पीने के पानी की व्यवस्था है और न शौचालय बना है । सरकारी हॉस्पीटल भी पुनालीगाँव में ही है । बडा हॉस्पीटल 20 किमी दूर डूंगरपुर में है। मरीज के गंभीर होने या अत्यधिक नाजुक स्थिति में मरीज कों उदयपुर के सरकारी हॉस्पिटल में रेफर किया जाता है । पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल और पोस्ट ऑफिस पुनाली गाँव में ही है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के सभी घरों में बिजली की सुविधा है। गाँव में आधे से ज्यादा परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है। जिन लोगों को गैस कनेक्शन मिला है, उन्हें मिट्टी का तेल नहीं मिलता है । गाँव में लोग इसलिए भी गैस कनेक्शन नहीं ले रहे हैं, क्योंकि सिलेंडर की कीमत उनके लिए बहुत ज्यादा है और उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे गैस सिलेंडर बार-बार रिफिल करवा पाए । गाँव में 60 महिलाओं और 40 पुरुषों कों वृद्धापेंशन, 27 महिलाओं को विधवा पेंशन और 3 महिलाओं को एकलनारी पेंशन मिलती है । गाँव में आवास योजना के तहत 50 इंदिरा आवास, 12 प्रधानमंत्री आवास और 60 मुख्यमंत्री आवास मिल चुके हैं । गाँव सभा के लोगों ने गाँव में सर्वे करके पाता लगाया है कि 4 लोगों को विकलांग पेंशन, 3 महिलाओं को एकलनारी पेंशन, 7 बच्चों को पालनहार नहीं मिलता है । गाँव में 25 लोगो को श्रमिक कार्ड और 25 लोगो को उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं मिला है । 15 बच्चों को छात्रवृति नहीं मिली है ।

वाडापुनाली की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधन

गाँव में जंगल की जमीन तो है लेकिन अब वहाँ कुछ नहीं होता है । पूरा जंगल सूखा पड़ा है । पहले जंगल हरा-भरा था, लेकिन पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, वृक्षारोपण न होने और भू-जल स्तर के नीचे जाने से पानी नहीं मिल पाने के कारण जंगल बर्बाद हो गया है । अब वहाँ मात्र बबूल के पेड़, झाड़ियाँ एवं बारिश में घास होती है । सभी पेड़ो की कटाई हो चुकी है । गाँव मेंचारागाह की जमीन नहीं है । बिलानाम भूमि पर लोगों ने अपने खेत बना लिये हैं या कब्ज़ा कर लिया है । खेती और आवासीय जमीन भी कम हो गयी है, क्योंकि गाँव की आबादी बढ़ती जा रही है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में लोग अपनी कई पीढ़ियों से रहते आ रहे हैं । लेकिन लोगों के पास खातेदारी हक नहीं है और यदि है भी तो न्यूनतम दो बीघा या अधिकतम तीन बीघा भूमि का पट्टा है। इस कम जमीन में होने वाली खेती से उपजा अनाज साल भर घर की खाद्य आपूर्ति कर पाने के लिए अपर्याप्त है । आदिवासियों के कब्जे की कृषि भूमि ऊबड़-खाबड़ और पथरीली है । इसके समतलीकरण की आवश्यकता है । गाँव में पानी की सुविधा के लिए 2 तालाब (झालन तालाब और बड़ा तालाब), 12 कुएं हैं, जिसमें से 5 ही चालू कुएं है । 7 कुएं गहराई कम होने और जल-स्तर नीचे जाने के कारण वर्षभर सूखे ही रहते हैं । गाँव के झालन तालाब में साल भर पानी रहता है, लेकिन सिंचाई के लिए नहर नहीं निकाली गयी है या सिंचाई का अन्य कोई साधन नहीं है । इसकी भी रिंगवाल मरम्मत और गहरीकरण पर ध्यान नहीं दिया जाता है । तालाब की पाल कच्ची होने से पानी रिस कर बहता रहता है । गाँव में असिंचित खेतों में पानी पहुँचाने के लिए नहर नहीं निकाली गयी है । असिंचित खेतों में सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश की पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । गर्मियों के मौसम में पानी की कमी हो जाती है । गाँव में पानी का स्तर 250 फीट से नीचे चला गया है। पेयजल की व्यवस्था के लिए गाँव में 20 हैण्डपम्प हैं, जिसमें से 8 हैंडपंप ख़राब हैं, क्योंकि इनके पाइप में छेद हो गये हैं और ये गहरे भी कम ही हैं । बाकी के हैंडपंप इतना ही पानी उपलब्ध करा पाते है कि दिन में एक बार यदि पानी निकलना शुरू हुआ तो ठीक वरना एक बार बंद होने पर कई बार कोशिश करने पर भी पानी नहीं निकलता है । बोरवेल में भी पानी गर्मी में बहुत कम हो जाता है । सभी चालू हैण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। गाँव में फ्लोराइड वाले पानी से बचाव के लिए एक भी आर.ओ. प्लांट नहीं लगा है । वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल-फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है और ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

वाडापुनाली में प्रमुखतया गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। दुधारू पशुओं से इतना ही दूध हो पाता है कि घर के छोटे बच्चों का काम चल जाये । आवश्यकता पड़ने पर गाँव में किसी दुकान से खरीदते हैं । क्योंकि पशुओं को खिलाने के लिए चारा पर्याप्त मात्रा में नहीं होता है । खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के लिए प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जा सकता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है, वह केवल चार या पाँच माह ही चल पाता है । उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गट्ठर सात रूपये में खरीदते हैं ।

कृषि एवं खाद्यान्न की समस्या

वाडापुनाली गाँव में सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति बारिश के मौसम में ही हो पाती है । इस कारण खाद्द्यान्न फसल बारिश में ही पैदा होती है । गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। सिंचाई के जो भी संसाधन हैं, वे सारे जर्जर और बेकार स्थिति में हैं । ग्रीष्म ऋतु में जिन खेतों में फसल उग रही है, वे ज्यादातर बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 250 फीट से भी नीचे चला गया है। बरसात के पानी के संरक्षण पर अगर ध्यान नहीं दिया गया, तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा । इसके साथ ही वर्तमान में बारिश की मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति है, वो बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है । आदिवासियों के कब्जे की कृषि जमीन ऊबड़-खाबड़ और छोटी पहाड़ी वाली है; जिस पर खेती मुश्किल से हो पाती है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 5 चालू कुएं, झालन तालाब हैं। लेकिन तालाब को छोड़कर बाकी सभी अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते हैं। गाँव में खाने में मुख्यतः मक्का उपयोग में आता है । इसके अलावा धान, गेहूँ, चने और सरसों की खेती की जाती है । यह खेती भी वही लोग कर पाते हैं, जिनके बोरवेल या कुओं में पानी की आवक रहती है । खेती में उपजा अनाज साल के 5 माह ही चल पाता है । इसके पश्चात खाने के लिए राशन की आपूर्ति का विकल्प सरकारी गेहूँ है, या अनाज खरीद कर लाना पड़ता है। सरकारी उचित मूल्य की दुकान गाँव में है। लेकिन इसको अभी किराये के कमरे में चलाया जा रहा है । राशन की दुकान पर गेहूं मिलता है । चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है।

आवागमन की समस्या

गाँव में सड़क व्यवस्था बहुत ही कमजोर है । गाँव में सड़कों की कमी है । गाँव में 1 पक्की सड़क, 2 सी.सी. सड़क और 5 कच्ची सड़के हैं । गाँव के भीतरी फलों में जाने के लिए अधिकतर कच्ची सड़क ही है। गाँव में एक ही पक्की सड़क है लेकिन उसके किनारे नालियाँ नहीं हैं और रोड लाइट भी नहीं है । गाँव में 2 सी.सी. सड़क है जिनके किनारे नालियाँ पक्की नहीं बनायी गयी है जिससे गंदगी सड़क पर फ़ैल जाती है । गाँव की पगडण्ड़िया इतनी सकरी है कि इस पर ऑटो, मोटरसाईकिल या पैदल ही जा

सकते हैं। कच्ची सड़कों और पगडण्डियों पर धूल उड़ने की समस्या आम है । साथ ही बारिश में कच्ची सड़के कीचड़ से भर जाती है, जिस कारण आने जाने में समस्या रहती है । गाँव के भीतर रहने वाले घर के लोग कच्ची सड़क की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित रहते हैं । खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है। गाँव के फलों में केवल निजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

वाडापुनाली में मात्र 1 उच्च प्राथमिक स्कूल है । विद्यालय में छात्रों की संख्या की तुलना में अध्यापकों की नियुक्ति कम की गयी है । स्कूल में कक्षा कक्ष कम हैं, जिससे दो कक्षायें एक साथ बैठ कर पढ़ती हैं । स्कूलों में खेल के मैदान और शौचालय की हालत अच्छी नहीं है । सिर्फ 6 अध्यापक की नियुक्ति हैं । ये भी स्कूल की दूसरी जिम्मेदारीयों को पूरा करने में व्यस्त रहते हैं, जिस कारण पढाई अच्छे से नहीं होती है । पढ़ाई अच्छी ना होने के कारण गाँव के बच्चों का सीखने और ज्ञान का स्तर भी काफी निम्न है । नियुक्त अध्यापक अक्सर अवकाश पर चले जाते हैं । यहाँ खेल के मैदान की स्थिति अच्छी नहीं है । छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था नहीं है । शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं है । न ही सफाई रहती है । छात्र-छात्राओ के लिए पीने के स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है । बच्चों को हैंडपंप का फ्लोराइड वाला पानी पीना पड़ता है । उच्च शिक्षा के लिये 20 किमी दूर डूंगरपुर शहर जाना पड़ता है । अधिकतर बच्चे कॉलेज के पास ही कमरा किराये पर लेकर रहते हैं । गाँव में 1 आंगनवाड़ी है, जो जर्जर हो रही है । उसकी छत से प्लास्टर गिरता है । लोगो को आंगनवाडी से मिलने ख़राब पोषाहार कों लेकर समस्या है । गाँव में कोई उप-स्वास्थ्य केंद्र नहीं है । सरकारी हॉस्पीटल पुनाली गाँव में है । बड़ा हॉस्पीटल 20 किमी दूर डूंगरपुर में है। मरीज के गंभीर होने या अत्यधिक नाजुक स्थिति में मरीज कों उदयपुर के सरकारी हॉस्पिटल में रेफर किया जाता है ।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

दोवडा ब्लॉक के अन्य गाँवो की तरह ही वाडापुनाली में भी रोजगार की स्थिति काफी खराब है । गाँव में लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए खेती करते हैं या फिर मनरेगा में मिलने वाले काम करते हैं । गाँव के युवा जो थोडा बहुत पढ़ना लिखना जानते हैं, वे उदयपुर जिले में किसी फैक्ट्री में मशीन पर काम करते हैं । या गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर मुंबई में मजदूरी करने के लिये जाते हैं। जहाँ उनको ज्यादातर नमकीन की फैक्ट्री में काम मिल जाता है । आजीविका के साधनों के अभाव में लोगो का गाँव से पलायन भी बढ़ रहा है । गाँव में मनरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की महिलायें जाती हैं तथा जो पुरुष यहाँ रह कर खेती करते हैं, वे भी मनरेगा में काम पर जाते हैं। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है, वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। मनरेगा में भी काम 50-55 दिन के लिए ही मिलता है । कुछेक लोगों को काम करने के बाद मजदूरी नहीं मिली है । जिसका जवाब माँगने पर मजदूरी का पैसा बैंक खातों में स्थानान्तरण की बात कह कर

टाल दिया जाता है। घरेलू उद्योग जैसे आम-आवले का अचार या मुरब्बा बनाना, कपडे के बैग बनाना इत्यादि रोजगार के प्रशिक्षण नहीं चलाये जा रहे हैं ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 2 तालाब हैं, जिसमे से 1 में साल भर पानी रहता है, लेकिन उसकी पाल कच्ची है । पानी बह कर निकल जाता है और दूसरा तालाब छोटा है और गर्मी शुरू होते ही सूख जाता है । ज्यादातर कुएं कम गहराई होने और पानी का लेवल ज्यादा नीचे जाने से सूखे हैं । 20 में से 8 हैंडपंप में पाइप खराब होने की वजह से पानी नहीं आता है । जो पेयजल स्रोत चालू हैं, उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिये झालन तालाब से पानी लिया जाता है, लेकिन गर्मी में मवेशियों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में सभी जल-स्रोतों में पानी की कमी हो जाती है ।	गाँव वासियों के अनुसार तालाबों को गहरा किया जाये और पाल पक्की बनाई जाये तो पानी ज्यादा इकठ्ठा हो पाएगा । तालाब के कीचड़ को साफ़ करके गहरा करना । इससे खेतों में सिंचाई के पानी की सुविधा अच्छी हो सकती है । खेतों में छोटे-छोटे चेकडैम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का जलस्तर ऊँचा होगा । दूषित पानी के प्रभाव से बचाव के लिए कुछ जगहों पर आर.ओ. प्लांट लगाने चाहिए । बोरवेल का उपयोग कम किया जाये तो कुओं में पानी रहने से सिंचाई और पीने के लिए पर्याप्त पानी मिल जायेगा ।
जमीन कृषि भूमि बिलानाम भूमि जंगल	खेती की जमीन ऊबड़-खाबड़, पहाड़ी ढलान वाली और पथरीली है। पानी की कमी के कारण खेती केवल बारिश के मौसम में होती है । गाँव की बिलानाम जमीन बहुत कम हो गयी है । ज्यादातर समतल जमीन पटेलों और राजपूतो के कब्जे में है । आदिवासियों के कब्जे की जमीन पहाड़ी और ऊबड़-खाबड़ है । दावा फाइल्स लगाने के बाद भी जमीन के पट्टे नहीं मिले हैं । जंगल की जमीन पर कुछ भी नहीं है । वहाँ पर बबूल हैं । बारिश में घास होती है ।	गाँव सभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत अपना काम योजना के तहत ऊबड़-खाबड़ जमीनों का समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। जिस जमीन पर किसी प्रकार की उपज या पैदावार नहीं होती है, वहाँ पर पशुओं के लिए चारा उगाया जा सकता है । उस पर फलदार वृक्षारोपण करके गाँव को कमाई का स्रोत मिल सकता है । जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं। तालाबों की मरम्मत करके मछलीपालन किया जा सकता है ।
सड़क	गाँव की सड़कें तेज बारिश की वजह से	यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी.

पक्की सड़क सी.सी. सड़क कच्ची सड़क	टूट गयी हैं और उनमे गड्ढे हो गये हैं । सी.सी. सड़क के किनारे नालियाँ नहीं बनी हैं । गंदगी होने से बीमारियाँ फैलने का डर रहता है । गाँव में जाने के लिए 5 कच्चे रास्ते भी हैं जो की काफी ज्यादा ख़राब हालत में हैं । बारिश में कच्चे रास्तों का उपयोग करने वाले गाँववासी सबसे ज्यादा परेशानी में रहते है । गाँव में बस स्टैंड है, लेकिन पानी और शौचालय नहीं है ।	सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़कों को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी।
उच्च प्राथमिक स्कूल	गाँव के उच्च प्राथमिक स्कूल में बच्चों की तुलना में अध्यापकों की कमी के कारण पढ़ाई नहीं हो पा रही है । स्कूलों में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के पानी की उचित एवं साफ़ व्यवस्था भी नहीं है । कक्षाओं के फर्श में गड्ढे हो गये हैं, जिस कारण बच्चों को बैठने में दिक्कत होती है । नियुक्त अध्यापक भी समय से नहीं आते हैं । कमरों की कमी है ।	स्कूलों की फर्श के गड्ढों को भरवा कर बैठने के लिए दरी और टेबल कुर्सी दी जाये । इसके अलावा स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान की बाउन्ड्री बनाई जाये । स्कूल में पीने के पानी के लिए आर.ओ. का प्रबन्ध किया जाये । गाँव सभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर शिक्षा विभाग को अध्यापकों की नियुक्ति के लिए ज्ञापन दिया जाये । नए कमरों का निर्माण किया जाये ।
श्मशान घाट	गाँव में 1 श्मशान घाट है लेकिन यह खुले में है । ना तो वहाँ पर टीनशेड है, ना ही चबूतरा है। जाने के लिए रास्ता भी नहीं है ।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और लकड़ी रखने के लिए भवन बनवाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	आदिवसियों के कब्जे की जमीन ऊबड़-खाबड़ है। असिंचित खेतों में सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। गाँव में पानी रोकने के लिए 2 तालाब हैं, लेकिन 1 तालाब की गहराई कम होने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है । दूसरे तालाब में पानी साल भर रहता है, किन्तु सिचाई के लिए नहर की सुविधा नहीं है । भू-जल का स्तर 250 फीट नीचे चला गया है । मिटटी की जाँच नहीं करवाना और उन्नतशील बीज का अभाव होने से उत्पादन प्रभावित होता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़बंदी तथा कच्चे चेकडैम का निर्माण। खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊँचा किया जा सकता है। बंद हैंडपंप को चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए ।	**तात्कालिक**
2	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में शिक्षा की स्थिति अन्य गाँवो के जैसी ही है । अध्यापकों की कमी और नियुक्त अध्यापकों का समय पर नहीं आना । स्कूलों में खेल के मैदान की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय भी नहीं है । बच्चों को पढ़ाने के लिए कक्षा कमरों की कमी है ।	गाँव में स्कूल में सभी व्यवस्थायें पूरी और अच्छी दी जाये । नए अध्यापकों की नियुक्ति की जाये और अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये । नये कक्षा-कक्षों का निर्माण किया जाये । शौचालयों की मरम्मत करके पानी और सफाई की व्यवस्था हो ।	**तात्कालिक**

			पीने के पानी के लिए टंकी और शुद्ध जल की उचित व्यवस्था नही है ।		
3	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 5 चालू कुएं और 12 चालू हैंडपंप हैं । गाँव में 7 कुएं और 8 हैंडपंप सूखे है या उनमें पानी नहीं आता है । जो चालू हैं, उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव का जलस्तर 250 फीट से नीचे चला गया है। गर्मी के समय लोग बोरवेल से सिंचाई के लिए पानी अधिक निकाल लेते हैं, जिस कारण पानी की कमी हो जाती है ।	जिन कुओं में पानी खत्म हो गया है, उन्हें गहरा करवाना । जो हैंडपंप बंद हो गये हैं, उनकी मरम्मत कर गहरा करवाना और शुद्ध पानी की आपूर्ति के लिए गाँव में आर.ओ.प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड की समस्या वाले एरिया को शुद्ध पेयजल मिल पाए । गाँव में चेकडैम बना कर बरसात के पानी को जगह-जगह रोक कर ज्यादा से ज्यादा कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊँचा किया जा सकता है।	**दीर्घकालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में रास्तों की कमी है । रास्तों की सबसे ज्यादा समस्या उन घरों की है जो गाँव के अंदरूनी हिस्से में हैं । जहाँ सड़कें कच्ची हैं और बारिश में मिट्टी कीचड़ में बदल जाती है । सी.सी. सड़कों के किनारे नालियाँ नहीं बनी हैं । सड़के कीचड़ से भर गयी हैं और गन्दा पानी सड़कों पर फैलता है ।	गाँवसभा कमेटी के गठन के बाद जहाँ-जहाँ रास्ते नहीं हैं, वहाँ के प्रस्ताव लिए गए हैं । सी.सी.सड़क मरम्मत करना और नालिया बनाना । कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना । सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं का सही**	**व्यक्तिगत**	गाँव में आवास योजना में लोगों को मकान बनने के बाद किश्तों का भुगतान	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और	**तात्कालिक**

	क्रियान्विति ना होना		नहीं हुआ है । जिनका नाम लाभान्वितों की सूची में नहीं है, उनका नाम देकर मकान बनवाना । पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन बंद है । गाँव में लोगो कों शौचालय योजना के पैसे भी नहीं मिले हैं । लोगों को पशुबाड़ा भी नहीं मिला है ।	उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है, उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना। गाँव में लोगो कों शौचालय और पशुबाड़ा निर्माण योजना का पूरा लाभ दिलाना ।	
6	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में ही है लेकिन दुकान पर अक्सर पॉस मशीन में इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है । शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है ।	राशन की दुकान पर जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है, उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना ।	**तात्कालिक**
7	**आंगनवाड़ी केंद्र**	**सार्वजनिक**	आंगनवाड़ी का भवन जर्जर हो गया है । भवन की छत से बारिश में पानी टपकता है । लोगों को ख़राब पोषाहार की शिकायत है ।	गुणवत्तापूर्ण पोषाहार उपलब्ध कराना । पुराने भवन की मरम्मत करवाना और नयी आंगनवाड़ी निर्माण करवाना ।	**तात्कालिक**
8	**सामुदायिक भवन**	**सार्वजनिक**	गाँव में 2 सामुदायिक भवन हैं लेकिन 1 सामुदायिक भवन की हालत खराब है । उसके बाहर चबूतरा भी नहीं बना है ।	जर्जर सामुदायिक भवन की मरम्मत की जाये और नया चबूतरा बनाया जाये ।	**तात्कालिक**

9	**घरेलू बिजली**	**सार्वजनिक**	गाँव में हालाँकि सभी को बिजली का कनेक्शन मिल चुका है लेकिन उपभोग से ज्यादा का बिल आने की समस्या से लोग बहुत परेशान हैं ।	गाँव सभा के द्वारा बिजली विभाग को सूचित करके रीडिंग कर्मचारी को सही रीडिंग लेने के लिए पाबंद करना ।	**तात्कालिक**
10	**उज्ज्वला गैस कनेक्शन**	**सार्वजनिक**	गाँव में लोगो की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि एक बार खत्म होने पर सिलेंडर को दुबारा रिफिल करवा पाए । इस योंजना का लाभ लेते ही मिट्टी का तेल बंद कर दिया जाता है ।	सभी लोगों का मिट्टी का तेल पूर्व की भाँति यथावत चालू रखा जाये ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	**W- Weakness कमजोरी**	**O- Opportunities अवसर**	**T- Threats चुनौतियां**
जल तालाब कुआं हैंड पंप बोरवेल	गाँव में नदी या नाले नहीं हैं । तालाब की पाल कच्ची होने से पानी रिस जाता है और गर्मी में पानी सूख जाता है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। अधिकतर कुएं और हैंडपंप सूखे हैं । गाँव में जल की कमी ना हो, इसके लिए गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी । शुद्ध पानी के लिए आर.ओ. की मांग नहीं करना ।	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर जहाँ पानी का बहाव अच्छा है, वहाँ कच्चे-पक्के चेकडेम निर्माण किया जाये । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से अगर रोका जाए तो गाँव में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है । इससे भू जल स्तर को भी ऊँचा उठाकर सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है ।	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्य योजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।

		जल स्तर एकदम से नीचे न जाये इसके लिए सही और उचित प्रबन्धन व्यवस्था करना । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।	
आवागमन - कच्चे रास्ते सी.सी.सड़क पक्की सड़कें	अंदरूनी भागों में जाने के लिए कच्चे रास्तों को सी.सी. नहीं करना। टूटी हुई सी.सी. सड़क के किनारे पर नालियाँ नहीं बनी है । रोड लाइट की माँग नही करना ।	रास्ते ठीक होने से गाँव में साधन आ-जा सकते हैं, जिससे छोटे-मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। लोगों को आने-जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी । नालियाँ बनने से रोड पर कीचड़ नहीं होगा और गंदगी नहीं फैलेगी ।	गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना ।
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। मनरेगा में 100 दिन से कम काम मिलता है और नपती पूरी नहीं होती है । मजदूरी कम मिलना। सरकारी घरेलू रोजगार प्रशिक्षण नहीं हो रहे हैं ।	गाँव में खाली पड़ी जमीन पर वृक्षारोपण किया जाये । अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलू उद्योग जैसे पापड़ बनाना, अचार बनाना, मुरब्बा बनाना, कपड़े के बैग बनाना आदि भी किये जा सकते हैं। तालाबों की मरम्मत और पाल पक्की बनाना, तालाब में मछलीपालन, मधुमक्खी पालन करके	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। खेती में उन्नतबीज का अभाव। जमीन और जल-स्रोतों के बेहतर प्रबंधन की कमी।

		भी आय बढाई जा सकती है ।	
भूमि	गाँव की बिलानाम जमीन का समुचित प्रबन्धन नहीं होना। सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। लोगों के पास उनके कब्जे की जमीन के पट्टे ना होना । खेती में रासायनिक खाद का अधिक प्रयोग । मिट्टी की जाँच नहीं करवाना ।	मिट्टी की जाँच, खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव । खाली पड़ी जमीनके बेहतर उपयोग की योजना का अभाव ।

- **नजरिया नक्शा**

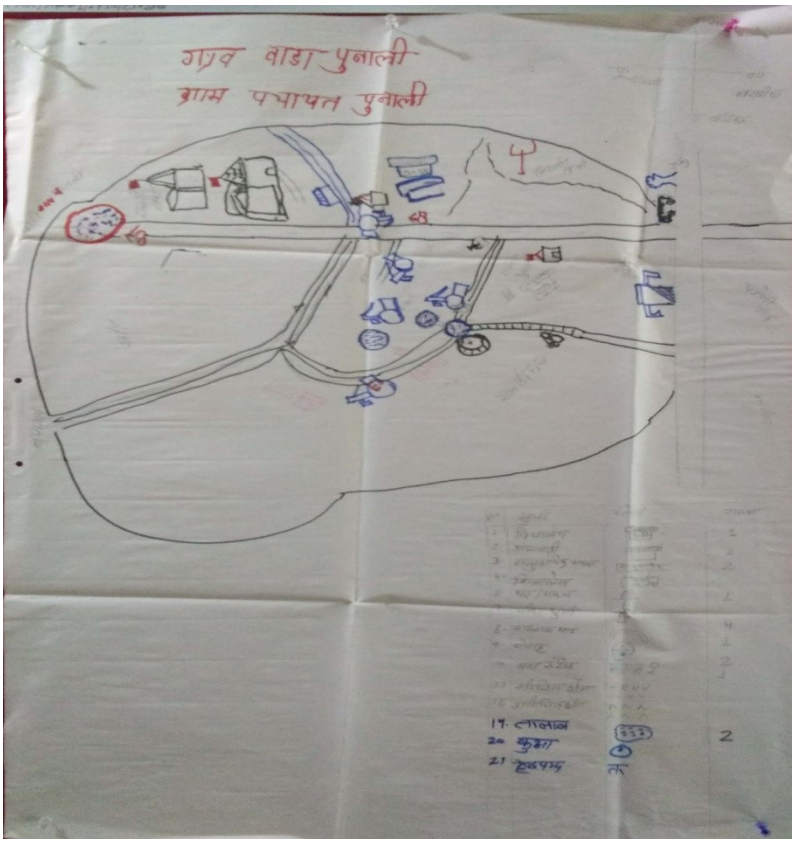

- **गाँव सभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
स्कूल के संबंध में अंग्रेजी विषय अध्यापक की नियुक्ति दो कमरों के छत की मरम्मत खेल मैदान का परकोटा निर्माण बरसात के पानी की निकासी पीने के शुद्ध पानी के लिए आर.ओ.	5
वृद्धा पेंशन	19
विकलांग पेंशन	3
एकलनारी पेंशन	1
पालनहार 0 से 5 वर्ष 6 से 18 वर्ष	 2 10
पी.एम / सी.एम. आवास योजना	35
शौचालय के संबंध में	12
जॉबकार्ड के संबंध में	11
आंगनबाड़ी निर्माण पुरानी आंगनवाडी मरम्मत	1 1
उप-स्वास्थ्य केंद्र के संबंध में	1
राशन की दुकान के संबंध में	1
सामुदायिक भवन के संबंध में भवन मरम्मत चबूतरा निर्माण	 1 1
चेकडेम निर्माण	6
तालाब गहरीकरण व रिन्गवाल	1
रास्ता निर्माण सी.सी. सड़क ग्रेवल सड़क पक्की सड़क	 5 1 0
केटेगरी 4 के कार्य खेत समतलीकरण व मेड़बंदी, रिंगवाल नया कुआं / कुआं गहरीकरण मरम्मत	20

एवं पशुवाडा निर्माण खेत तलावडी	
वृक्षारोपण	10
हैंडपंप नए पुराने हैंडपंप मरम्मत	6 4
सार्वजनिक कुआं	4
पनघट योजना में आर.ओ. प्लांट	3
श्मशान घाट के संबंध में बड़ा तालाब के पास नये श्मशान घाट का निर्माण लकड़ी रखने के लिए टीनशेड	2
मुख्य चौराहों पर एलईडी लाइट लगाना	10
सामाजिक विवाद निपटारा	1
सामाजिक कुरीतियों पर रोक के संबंध में डायन प्रथा बाल श्रम बाल विवाह मौताना	 1 1 1 1

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

सेवामें,

श्रीमान् सरपंच महोदय,

ग्राम पंचायत...पुनाली

विषय:- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तोर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके कियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न हैं)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय

ग्राम सभा सदस्यगण

ग्राम. दाडा पुनाली

प्रतिलिपी:-

1. श्रीमान् विकास अधिकारी...दोवडा
2. श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी...डुंगरपुर
4. निजी रेकार्ड

अध्यक्ष सचिव।

गाउं गणराज्य गांव सभा
दाडा पुनाली प. पुनाली
प.स. दोवडा जि. डूंगरपुर

ग्राम सेवक पदेन सचिव
ग्राम पंचायत पुनाली
पंचायत समिति दोवडा

Scanned with CamScanner

प्रस्ताव कवरिंग लेटर

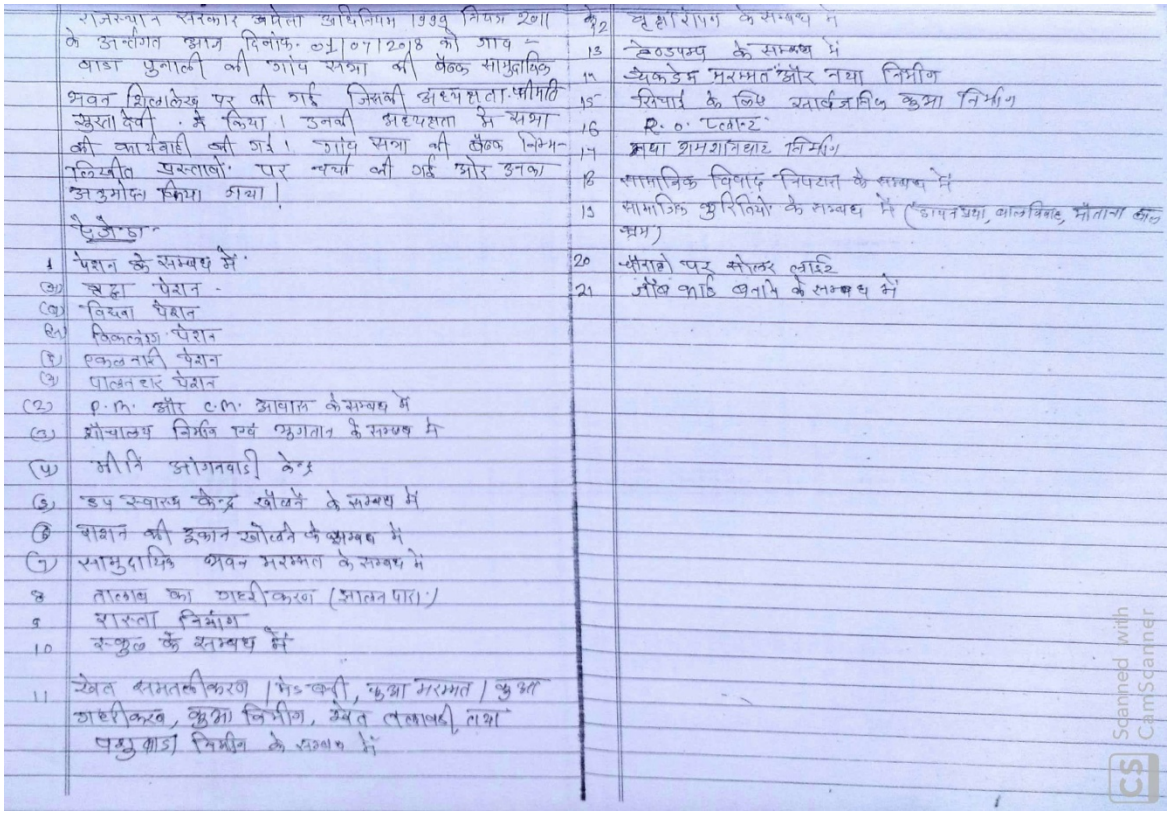

राजस्थान सरकार अधेला अधिनियम 1999 नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 07/07/2018 को गाव - बाडा पुनाली की गांव सभा की बैठक सामुदायिक भवन शिलालेख पर की गई जिसकी अध्यक्षता श्रीमति सुरता देवी ने किया। उनकी अध्यक्षता मे सभा की कार्यवाही की गई। गांव सभा की बैठक निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा

1 पेंशन के सम्बध में
(अ) वृद्धा पेंशन
(ब) विधवा पेंशन
(स) विकलांग पेंशन
(द) एकल नारी पेंशन
(य) पालनहार पेंशन
(2) P.M. और C.M. आवास के सम्बध मे
(3) शौचालय निर्माण एवं भुगतान के सम्बध मे
(4) भीति आंगनवाडी केन्द्र
(5) उप स्वास्थ केन्द्र खोलने के सम्बध में
(6) राशन की दुकान खोलने के सम्बध मे
(7) सामुदायिक भवन मरम्मत के सम्बध मे
8 तालाब का गहरीकरण (आलन पाल)
9 रास्ता निर्माण
10 स्कुल के सम्बध में
11 खेत समतलीकरण / मेड बन्दी, कुआ मरम्मत / कुआ गहरीकरण, कुआ निर्माण, खेत तलावडी तथा पशु बाडा निर्माण के सम्बध में
12 वृक्षारोपण के सम्बध मे
13 हेण्डपम्प के सम्बध में
14 चैकडेम मरम्मत और नया निर्माण
15 सिंचाई के लिए सार्वजनिक कुआ निर्माण
16 R.O. प्लान्ट
17 तथा श्मशान घाट निर्माण
18 सामाजिक विवाद निपटारा के सम्बध में
19 सामाजिक कुरितियो के सम्बध में (डायन प्रथा, बालविवाह, मौताना बाल श्रम)
20 चौराहे पर सोलर लाईट
21 जॉब कार्ड बनाने के सम्बध में

प्रस्ताव प्रथम पृष्ठ

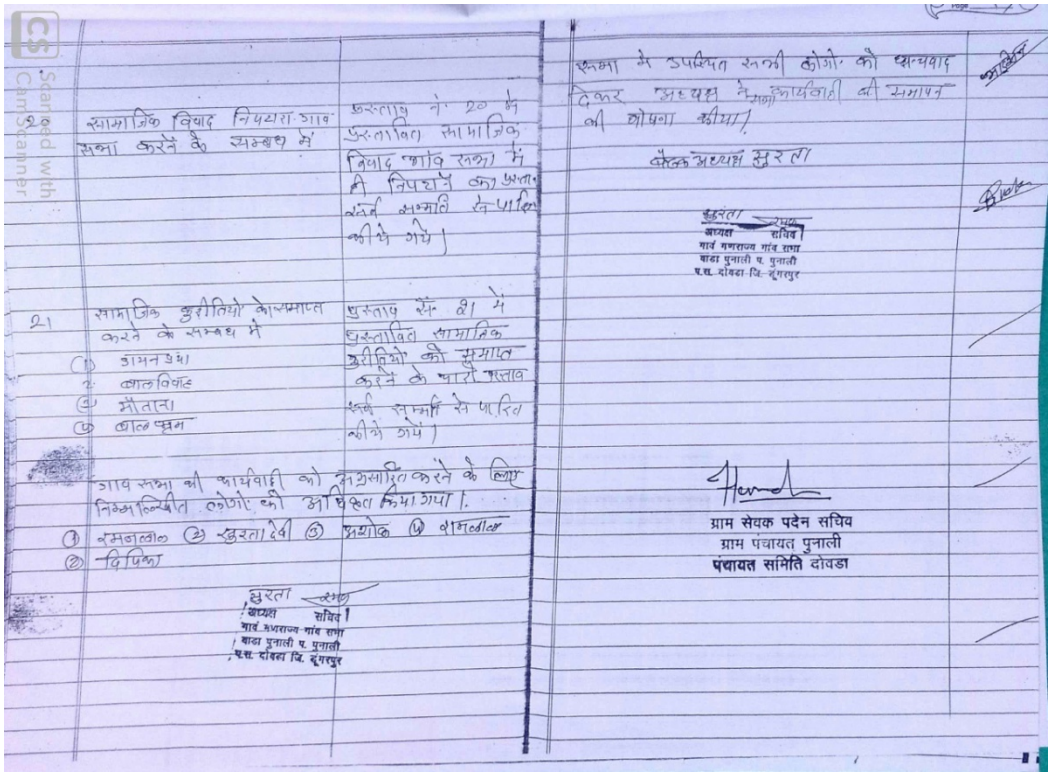

20	सामाजिक विवाद निपटारा गाव सभा करने के सम्बध में	प्रस्ताव नं. 20 मे प्रस्तावित सामाजिक विवाद गाव सभा में ही निपटाने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित कीये गये।
21	सामाजिक कुरीतियो को समाप्त करने के सम्बध मे (1) डायन प्रथा 2. बालविवाह (3) मौताना (4) बाल श्रम	प्रस्ताव सं. 21 मे प्रस्तावित सामाजिक कुरीतियो को समाप्त करने के चारो प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित कीये गये।

गाव सभा की कार्यवाही को अग्रसारित करने के लिए निम्नलिखित लोगों को अधिकृत किया गया।
(1) रमनलाल (2) सुरता देवी (3) अशोक (4) रामलाल
(5) दिपिका

सुरता
अध्यक्ष सचिव
ग्राम गणराज्य गांव सभा
बाडा पुनाली प. पुनाली
प.स. दोवडा जि. डूंगरपुर

सभा मे उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद देकर अध्यक्ष ने सभा कार्यवाही की समापन की घोषणा कीया।

बैठक अध्यक्ष सुरता

सुरता
अध्यक्ष सचिव
ग्राम गणराज्य गांव सभा
बाडा पुनाली प. पुनाली
प.स. दोवडा जि. डूंगरपुर

ग्राम सेवक पदेन सचिव
ग्राम पंचायत पुनाली
पंचायत समिति दोवडा

प्रस्ताव अंतिम पृष्ठ

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1.	सुरता देवी बुज	9784606483
2.	रमणलाल खराड़ी	8079043439
3.	अशोक बुज	7878612481
4.	रमिला दायमा	7229984729